र्ने २ भन्न भन्न म्य इट मिन्य भाउं इलमी प्रमान भिक्त्यू दीवी मिवरे इन्ह्ली भिड़ भहं नृपी ग्रुमान भनभाली है है भिर्वाइयां यल विक नर्थ महा येश यानि वे थए।। एउं ९ रंग मुडु उत् चियउचे बल विक रही भूग नमः॥० अभिनेया भिजंद भाउं। उलमी सुमान भित्रलक्षी इवंश मिवमेर नम्ली दिएउ भहं भन्गी हमन ह मिन व नी इन मिन गेर्यं बल रम बर्र मत् येरायामिनिषय।। एउं इ विस् उद्गिप यउच रलप्म बर्टे भूण नमः ११९॥ भाउं। इलभी हमान भिक्ता है वेशिवगैर मर्ली हित्रप्रमहं राषी मुमन पम्नी इंड मिवगैइया भच कुउ दमहं मद्ये येटा यामि विषा । १३९ मः मिय उद्यारिय अउद्य भचक्र कर्म है श्रुण नमः॥ ३॥ स्थाः क्षीं व्यवहः संदे का वित्र महे॥ भड़ भिज्ञ भहें एतं भी प्रमान भित्र लक्षी मधी स्थान श्रम भानी न्त्री मिवगैरि मद्दा चल विक न्त्री एउद्दे मह्म भएन्मः० भट्याप्य भहें इलमी श्रामियल की - भर्गी मृहली वनी पत्री मिनगर्मर्ग मन्त्रभवति-एउस मध्भणनमः= 8=

मान भागने नं र भार बोद रिप्र महिं (इन भी यु सिर् लक्षी रण्या प्रमानी रहे मिव ने इ पर ली अम् इड यम है एउस मुद्ध भूग न भड़े।। भण्डः । जमीत्र भम् लक्षी दे हो भवने इ म्इनि भवद्भाविक भाषिल काला भवसूत उरंड महा भणनाः ११ रिक्षित्र विस्ता वल १वक १८ . भिक्षित्र ११ वल प्रमान हो का स्ता अधे प्रधायन भन कुरु रमनुः क्याः धन निर्दे प्रमान विस् 14द्र विवय मण्डं इनमीष्ट भिन्न लेक्की इसी सिव मेंद्रं इस् नी अपन महं इसी म् अनमाती इन् मिवम् इया वलविक्रक्ष भित्र यरण यामिनेषा रें ९ विमुद्द उद्वरिष पर्य वनिक् वल् भए नमः॥विमिष्ट्र उ है। मर्जवर्ग लेपिवं।। भरुभिज महि इतमी मुभन भिरूतमा म्पिष्मनमानी देवीं मिवमेर मुस्ली बनाविक उर्टे भवद्गीकी भिष्यं कान्य मिवस्त्र एयवं भिष्यं अणन्मः स्पापम्प भड़िए मही हैं। इनसी स भियु नसी म्यीयु अनमानी चवीर्छ मिवमेर्छं उर् भी बनाविक गर्भे वर्तिक भिष्तुं कर न्यामवस्य भमन्ता व्यास्त्र भणना ।।। भाउं उत्तर्भाष्ट्र भिन्नत् भणन्मः अध्भणन्मः भन्मी मु इनिवानी एक्ट मिव्राक्यां वल देस महाभागी पर याभिक्षे भए १३३ इं विष्ठ उर्व विष्ठ विक्र सम्बन्धिक ना

नैन्द्र डिमिश्च उद्योग महज्या तिर्वित महापड़ा महाया विकास उलमी हमान कि इलकी ह्यी मुस्तमानी-अस्रीम् हारीवा नी देखा मियंगेरः नद्दा वविक्र भी वल प्रमाय हाः में वर्रिकी भाग के काल मिवस्ति एवयः पिर्द्रः भणत्माः म्य ७ यम् मा। मन् प्रम् भार विश्वमही प्रीप्डा महीहः इनमी यू मिर्लसी - प्यीय भनमली रसद्मी यह नियम वन्ती इविष्टः मियमेर्षः पर्णी वनिवक्रमीहः वनश्मवनीकः भेषद्विकीमपिन्द्रकाम मिय में माल कर्गात भए नमः॥ वंत्र मा भ्रम् अभिन्ने भाउं उलमीय भिम्लम् च्वी मिवलें र नर् भी यम् प्राप्रियमही राष्ट्रीय पम्नी राष्ट्रा मिवरिष्ट्राया भच कुउ रमरे भिन्ने येरणया भी केंग्रा एकी रूट २३२३९ भः भिव उद्घारिय उदा भव कुउरम रे भणनाः मिम् उद्देवि उ मर अवडी लिए श भारियामडी प्रापेडामडी ये दूरियामहा उनमीय मिन्सी मिन्भिद्भनमारी द्रीयम्ही सूरीय हमीवानी रण्यी य पम्नी देवः भिवगर १र भी - चल विक रथी वत्र प्रममनी सव कु उद्दर्भ गृः भंग्वद्व विकी भाषे न्युक्ताल मित्रपूर्णिवः भि भूः भणनमः मप्राप्य मुहा। ३ गर्भम् उपही हम्हिए जिसम्भाम् जिमम्बर्भिम् अभागं मिन्दिन किर्नेषक प्रमुक् र्नम निर्मा कर्म निर्मा कर्म निर्माण कर्म निरमाण कर्म निर्माण कर्म निरमाण कर्म निर्माण कर्म निर्माण कर्म निर्माण कर्म निर्माण कर्म निरमाण कर्म निर्माण कर्म निरमाण कर्म निर्माण कर्म निर्माण कर्म निर्माण कर्म निर्माण कर्म निरमाण कर्म निर्माण कर्म निर्माण कर्म निर्माण कर्म निरमाण कर्म कर्म निरमाण कर्म निरमाण कर्म निरमाण कर्म निरमाण कर्म निरमाण कर्म कर्म कर्म निरमाण कर्म निरमाण मङ भिडामडी द्रिष्ठामडी वर्ष्ट्र द्रिष्ठामडी हैः उनमी ए भिरुवकी प्रथिश्वनमानी स्त्रीष्टकार्गवानी याषीय पद्मनी इकुरः मिवगेर्डः म्हली वलविकाल यनसमयनी मन् ५३ रमनी हः भेग्बद्वा क्रीमिष्ट्र द्वाल भिवस्ति भगन हांगन् भागनाः ॥ विवास् अणप्यं भूष प्राभण प्रवेभण ठक्क हिए इन मन विनम् भित्रं १९ मणनं मीरपनं मयुपनं उत्दर्ध उरद्गार दिमं असमाउँ ९ 北京でガゼリ

到至你年后,1994年1975年 Mashir Andrew

PENNSTRUCE FERSTERN FERSTER

CHE WHOLE ALL SANDER LAND WITH LAND THE

中心中国 大学中国 10 小生年本11年 11年

० ५ थण्ड माउ प्रया नाम मुख्य न्या गर्म महाय न्या गर्म किला है भाउं रिक्टिनी मुमान रायमाली मंदी गिरडमें मिर्गेड्नरंभी भिडाभेट उसी हा भामाली श्र वं भिष्ड में भिष्ण इयं अलिकः १९०० मन् चरण भिन्यण ११ एउं ९ छं मुझु इस विधड्य राल विक म्रें भग तभः भण्डंने विक्रम्नी मु रायभण्ली में वी मिण्ड भें मिव में हैं मु ली रियउ भंड नुसी मु यमानी महं मिविगेर यं अलारममंह मुद्ध येया यामि देण्यम ॥ गृउं ९ द्वा विक् उद्यापिय उच्च रलप्रम मिले महे भाग नमः 19 नेगर भड़ वे विक्ठ करानी है शाय भानी हो वी मिद्राह महंभी र्धित भूपिड भर्त हिनी ग्रामन हिनी रेडिं मिव ने इंग्यं भव हुड ममन् मन् चरायकी दे मार् ११ गुउं ९ भः भिव इद्वा छि थ उच भच कुउ र मने भूक नमः १११ सुपः स्त्रींग ठगवडः मंद्रु दे हगाविति मार्थ भण्ड धिडाभिन विक्ठिएनी मुरायभानी। मुमी प्रमान भागनी प्रमी मिर्विग्र मम् भी नल कार्य विक्राली भेड मुं मुं भुष्ण नमः भार भूमिउ भिन्न करनी ह कायभानी - मुसी ह पमानी रही

मिवर्गेड् मम् भी वल भूम घर्री एउं में मुंग भण नाः। 3

भार थेरू भिडामिं किक हानी मुमारायमाली हिनी मुमाहनी रही रमवित्र न्द्र भी भव कुउरू में एउसे मंद्र भणन्मः॥३ भाउ: लिक हरनी शुभन क्ष्यभाली मेरि मिवमेर मर्लिस भान सिपली करलामिन स्ट्रिल होते हा भाग में ब इंग्किन्ट हें जित्र है।। जिल्ल विस्त्र कि विस्त्र का कि सम्बन्धिक का कि समित्र का कि समित भाउं विक्ठएनी मुक्ता केंदी मिन्ते हैं पर्ली-पिउ महें दूरी मु भमाली रखें मिन में रायं वल विकार पिन् येरा यामि विषय गाँउ छिमुद्र उद्गिष्उच वलविक जून चणनमः॥ हि म्रिन मुड्ड हि-मुड्ड व लेकिंड् - मण्डि पिडण्मिक लिक्कलनी मुक्तायमानी इसी मुमामनी इसी मिवभेड़ नर्की कल विक्रिक्टी भमान भीपत्र कुरल मिवस्ट्रे ात्रक्तित्र म्यान्त्र :=म्प्रियम्॥ मह भ्रम्॥ भर विकामतीकृ लिक्टए नीष्ठ्रभाव भारती इसीय समानी इनीकु मिनिए हैं पर्णी कल विकार मामन मिल्ल करल मिवस्य अमलत्त्रीगन भिन्माः = १०वं म्य सन्माः भ्रम् भुक्तमः ११०॥ भाउंग लिक् ठएनी मुरायमानी मं वी मिन्गेंड नड़ां भी रिपडा महा जरू यम् नी उर्नुः। निविगेर् ये नलप्रम बर्ने पिल् ये या यामि वेषा १६९ के विष्ट उस जियाउँच चल प्रभेष विष्य भागा। 光明里多。理多。前俄多川

भिन्द्रिविषय ने अन भार पिड भदी प्रापड भद्धः हिद्द कर नी राग्य माली प्राप्तिभानी उसी थमानी महामिवगहाः भराली चल विकाली चल प्रममहा भागनभिष्तुं काल भिवानि एसवाः पिलुः भगनाः म्योग्यम् मृ मंत्रुप्यों भारति प्रदेश मही प्रदेश भारति हैं। लिक्डलनी श्रायमानी क्रमीय भागली के दियमानी स्वीडः मिर्गेर्ष्टः र्मान के विलिय के के हैं नल रम मनी हैं भागन भिने मिन्न करना भिन्म के भारत कन गन सक नमें। भाउने रिक् ठएनी अयमली दीवी मिवनेहें ममुंगी चार्यप्रापडणाई हिनी एकिनी दं विविगेरायो भचकु ममनं भिन्तं येरायाभि निष्धली एकी 23 239 भः मिन उङ्गिय उय भच १ उरमेन भण न भः मिष्डिक विक्रमहर ने विद्ये । मार्थि पर मही प्रिक्र मही राष्ट्रभद्रः - लिक्डएनी स्थायमाली जुर्रीएपम नी हिनी एहिनी मिनिग्रः म्यूली वलिक गली वल्यूभमनी भचकुउद्यम् अभाष्यभाषात्रकाली विवस्त विन्द्री भुक् नियः म्याउप-१। ३ वर्भानिभक्ताः नीरान्भक्ता नयः न्येति गत्रुपम् प्रयती हमारेष्ट्र डिमपनं भीत्रयानं मञ्चयने विलेखं उरके उरके

लें अंग्रेस्य नम भार ग्रेसिंग्ही रापड मही बर्सापड मही छेड़ रिक्टिनी द्रश्यमाती. असीद समाती ज्ञादि पमानी हेनीद हेनी रहेटः मिन्गर्यः नर्णी वलिक्नणी रलप्मवनी भचकुउ रमनीष्टः समन सर्पद्ध द्वाली में ये अमालहने गन् अणन्यः १०वं मस्भाष्य प्रधे भठा प्रथमण भीति के क्या हिला १देम पर की मस् १ उने उरकाउद्गारमं १ वर्षा दे १ अंड न या म

मृद्यु " भण्ड्य इस्य इस मस्य इस १ मन् प्रकाउँ हैं: भाउं भड़ी द सनभानी द्वी (मइंबे) मिवगेर म्यूनी व पिडमर्ट इनी द भाषी इंबी मह्य मिवगैह यं उन विक उर्थ मह्म या वासी समा एउं अ हे मह इह कि भड्यं बल विद्रः भणनमः॥ ० भाउं भड़ी द सन्मानी यंवे (मह्यं) मिवगह नम्ली दिश्र भट्ट इनीय भाषी इनी (मह्यें) मिन्नेर्यं र ल र्मबर् मंब चिल या मिचे थए एउं ९ इं विष्ट उद्गिधरये चलभूमयने अणन्मः 11911=1 भण्डां भड़ी ए अनुमानी ह्रवंशि (मह्यं) मिन्नीं निक्ती बित्रशिक्त मही महा महा भन्नी पर्ने विवर्गर्यं भव ५५ रमर् मयु येलया भिने वेषण (ग्डें) भाः मिव इङ्ग ि पर्य सन् इः रमेरी भणनमः ॥३)) मुभः त्वी गे भ वरः महे ९ भ का विषये।। भार भिड़ा मही भड़ी है मनभानी धेनी है तकी दे हैं निर्मा । भार मही भार नमः (०) भार शोधुडा भट्टी भारी हा भारती इनी हा भारती इन (भर्म) निवरिद्धान्य मार्म वर्षा एउन्ने मही भए नमः ११९)

भड़ भड़बेद्रभरिङ मही मुद्दु पद्मी स मुद्दु पद्मी र र्र्ट (महर्प) भिवते इ मर्ली भचकुरमारी एउम् मर्थ भए नमः ३॥ भागः भड़ी य सनमानी दि हो (महंघी) मिन में इन्द्राली भंबद्गीकी भिष्ठि का ना सामा उरें उसे महाभूण नाशी इंक्किन्न पिल्निक्किन उभन्ना THE STATE OF जनविकारणः जगाः मस्त्रा राज्या प्राची वन प्रमवन्ष्याः प्रश्वपित पन् रितं भचकुउदमनुष्ठगः यहनेन विश्व बहुली भड़ां भड़ी मुनम ली देवी मिन गेरं गम ने पिडामहां भेमीय नकी रहा मिनगरायंग्न विक ग्रंथ भिन्द्र पैसा क्रा के अपने गड़ेन हैं मुझ इक्नि पड़ये वल विक म्हा भूण नारा। हैं नियम्ड है विषम्ती - निरंहवा निविद्यं = भर पिर मही भरीय अनमानीय येगीय नकी र की मिनते ई नदानी वल विक र्द्ध भवद्भाविकी अधिली काला मिन स्ट्राण्य विष्णुः भाग नमः सम्प्यम् ।।। गर्भन्।। भर्भा भर्मा अस्ति सरी स्मानार थेमीय तकी देवी दें मिन्नेंदे हैं दर्भी वल विक्र कर्रि मेन्ब्रु भरिकी भाषिन् काली सिवसूर्य भाग हर्ने गत्न भाग नमः लिं महान्य ना प्रधाना नमः ॥।।।।

भागां भागित सुनमानी इसी मिवर्गे रिक्न महं ।। रुनी ह सापी दहं मिनगेर्यं ननप्रवरं पिने येरायानि विषय (१३९) इं विष्टु उद्देशि पर्य वनप्र वह भणनाः मिनियाउँ॥ मनुज्या ने एवं॥ भनु विक भनी प्रिज्याहः भागिष्ट स्वमन्त्री पेसीर की उपनी प्रसुग्मी द्रष्ट मिर्वारः १ ५५ ली वल विका लप्तावनः मंग्रीकी भिष्ते कुरलिवस्ट्राण्यवः येन्द्रः भणतमः न्याप्यस्माशा गर्नेप्रम्) मर्थियः भडी प्राप्रिय मर्च द्वः भडी सूमन सनमानी पत्ती य नकी इनीय भाषी इंड्रेंड मिवनेश्ट्रंम्य निविक नलीरः वत्रमवनीरः भंवद्विकीभिषक्रकालामिक्याद भाग वर्ते गत् भाग नमः॥ वित्र महाभाग नमः भन्ने भाग नमः अभिन मण्डं भडीय अनमनी भी वी मिर्वाई नद ली ब इपिय महं ष्टिपवीय ष्ठिट्टेपवी रहा मिव गेर्या भवकु रमने पिन्न चिरायामा विषयी एकी १३) १३) अ भः मिय इक् छि पर्य भन अउद्यात् भणतमः॥ मिर्मा द्वेष देश मा उपा मिर्मा है।। भार पिरामही प्रिक्ष मही वर्षियां प्रमास अधि भनभानी पेमीयमन जळी इनी श्रमणी मुख्यद्वी हमन मुद्रपद्वी पर् मिवमैर्ड नद्राली वल विकाली वल ध्रम बनी भच कुउर मर्ड : मंबद्धी के भिष्ति कार्यामिव मेरे लियवः पिष्ठं अण नमः म्यडपेमुन्। र

वाभी भाग्तमः॥ वीम्बंभाग्तमाः। विषित्वम्बन गर्मा भर रेपडा मही प्रिडा मही यह प्रिय मही है रामडी अनमन पेमीय वकी इनीय भाषी मुख्यीय मिना में दें! उन्द्रानी वलदिकाली वलप्रात रीभवकुउरमनी देः सेवद्गाने म् १० एनं मन्यन वित्र के उद्यो है। जे दिसं १ उत्ये हैं भी वित्र निया भार राष्ट्र में से से प्राप्ता में देश कि कि है।। भारतं भड़ीय अनमानी द्वां मियते दं नद्वां पिरामहं मियते दृष्ट के वन विक् रेटी माम्य विस्माया भि वी अह। १९३९ हिंदी मी पाय अभाष रहा तिनियमम् गिरियमम् विषये सुरु उद्योग पडिय वलिक वर्षे अणन्म (०) लाई मडां भड़ी य मनमन्त्री देवुं वियाई इड् की द्रिया मह इनी र्श्व भाषी रहें मिय ने स्थे वर मम्य वस्ता वाली विषए १३९ दं विस् उद्घाण पडिय वल प्राचने अल नार ११। सम्मान भड़ीय अनमनी देखें मिव गेंड इड की बीड प्रिड महन अस्यारी य सर्थ पदी देशे मिन भेर पामन कुर दमरे ममो वेल विवासी क्षेत्र १३९ म्: विवास विवास मन्द्र प्राची भूण न्याः रें हैं डिड: राज्य मुर्छ। मार्ग्य हैं दें डिड पड़ पहेंग्: भड़ीएअन पत्नी पेत्रीय मकी देंगे मिर्व गैर्च देंगे मार्ग्य मार्ग्य र्भित्रभहे प्रमीय ननिर्हे महत्ते । अत्राप्रभहे प्रमीय ननिर्हे महत्ते । अत्राप्रभहे प्रमीय ननिर्हे महत्ते । अत्राप्रभहे प्रस्थाय भाषा महत्त्र । अत्राप्रभहे प्रस्थाय भाषा महत्र प्रस्थिते । अत्राप्रभहे प्रस्थाय भाषा महत्र प्रस्थिते । अत्राप्रभहे प्रस्थाय । अत्राप्रभहे प्रस्थाय । अत्राप्रभहे प्रस्थाय । अत्राप्रभहे प्रस्थाय । अत्राप्रभाषे । अत्राप्रभाषे प्रस्थाय । अत्राप्रभाषे । अत्राप्

भू उः भण्डः भत्री यु भनभानी दे हैं मह ये